

All Rights Reserved.

HINDI ACADEMY

LIBRARY

देवी कञ्जलीला ।

Library No. 2038

Date of Receipt 12/12/21

प्रातः स्मरणपाठ, भौषस्तवराज ।

श्री नाथस्तुति, अपवर्ग पञ्चक और सीतावन्नभस्तोत्र ।

भारतभूषण भारतेन्दु श्री हरिश्चन्द्र कृत.

जिस को हिन्दी भाषा के प्रेमी तथा रसिकजनों के मनोविलास

के लिये क्षत्रियपत्रिका सम्पादक

म० कु० बाबू रामदीन सिंह ने

प्रकाशित किया ।



पटना—“ खड्गविलास ” प्रेस—बांकीपुर

साहबप्रसाद सिंह ने मुद्रित किया ।

१८८८

हरिश्चन्द्राष्ट ५

प्रथम बार ]

[ दाम १) आना ।